ॐ

Date

11.3.10
गुरुवार

गुडीपाडवा का संन्देश

✿ समर्पण का सुर्योदय ✿

सभी परमात्माओ को मेरा नमस्कार - - -

मैंने सदैव आप के रुप मे ही परमात्मा को अनुभव किया है। आपके ही सहयोग के कारण पिछले दस वर्ष मे समर्पण ध्यान का विस्तार हो सका है।
मैंने मेरे जिवन मे सबकुछ प्राप्त कर लीया अब तो "गुरुदक्षणा" देने का समय आ गया है, अपने गुरुओ से प्राप्त अनुभुती का ज्ञान अगली पिढी तक पहुचाना ही सही "गुरुदक्षणा" है। इस लिये आज से मैं आश्रम की व्यवस्था अगली पिढी को सौंप रहा हुं। आशा करता हुं, की जैसा आपने मुझे सहयोग दिया ऐसा ही सहयोग "नयी आश्रम व्यवस्था" को भी देंगे। मेरे हमउम्र साधक आज से १० साल बाद बुढे हो जायेंगे, तब तक यह युवा पिढी तैयार होगी यह सोचकर यह व्यवस्था की जा रही है,

(1) आश्रम ऑफीस — श्री जितु ठक्कुर
(2) भोजन शाला — कु. आकांक्षा शर्मा
(3) गुरु शक्ती धाम — श्री अनीकेत जोशी
(4) समर्पण भवन ऑफीस — श्री हर्षवर्धन पगारे
(5) गुजरात (राज्य) मॅसेज — कु. दिपा जोहगींया

भविष्य मे मैं इनके माध्यम से ही आश्रम की व्यवस्था देखुगाँ, आप इन्हे आगे रहने का मौका दे। और दो कदम पिछे आज से मैं हो रहा हुं, आप भी मेरे साथ दो कदम पिछे रहे, यह सब हम समर्पण ध्यान के उज्वल भविष्य के लिये कर रहे है, आपके सहयोग की अपेक्षा के साथ

आपका
बाबास्वामी
11/3/10